साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 42 | गोंदिया : गुरुवार, 27 मई से 2 जुन 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

निजी ले-आऊट मालक को लाभ पहुंचाने किए जा रहे पुलिया का निर्माण कार्य रोके - पार्षद दीपक बोबडे

नगर परिषद मुख्य अधिकारी को ज्ञापन देकर की मांग

१५ गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रभाग क्रमांक १० में रिंग रोड अमरीश बार के समीप नाले पर दलितोद्धार योजना के अंतर्गत पुल का निर्माण किया जा रहा है। उपरोक्त पुल का लाभ सिर्फ एक निजी ले-आऊट मालक को देने के लिए किया जा रहा है। उस निर्माण कार्य को रोकने की मांग पार्षद दीपक बोबडे द्वारा नगर परिषद मुख्य अधिकारी को ज्ञापन देकर की है।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आने वाले प्रभाग क्रमांक १० की महिला पार्षद द्वारा एक निजी ले-आउट मालक को लाभ पहुंचाने के लिए दलितोद्धार योजना के अंतर्गत ३२ लाख ९६ हजार रुपए की लागत के पुलिया का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसकी मंजूरी के लिए महिला पार्षद व नगर परिषद के बांधकाम विभाग के कर्मचारियों द्वारा आपसी सांठगांठ कर नगर परिषद प्रशासन को अंधेरे में रखते हुए सभी प्रकार की मंजूरी ली गई। इस संदर्भ में १८ जनवरी २०२० व ३१ जनवरी २०२० को भी शिकायत की गई थी। जिसके पश्चात तत्कालीन मुख्य अधिकारी द्वारा नगर रचना विभाग से अभिप्राय मांगा गया था। जिस पर नगर रचना विभाग द्वारा ९ फरवरी २०२० को दिए गए अपने अहवाल में स्पष्ट किया था कि उपरोक्त जगह नगर परिषद के अधीन नहीं हुई है। जब तक उस जगह का अभिन्यास मंजूर नहीं होता तब तक उस जगह पर शासन की निधि से किसी भी प्रकार के विकासात्मक कार्य नहीं किए जा सकते हैं। लेकिन फिर भी सभी नियमों का उल्लंघन कर अधिकारियों द्वारा एक निजी ले-आऊट मालक को लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि जिस स्थान पर पुलिया का निर्माण किया जा रहा है वह नगर परिषद की नहीं है। पुल से ३० मीटर के अंतर पर एक निजी व्यक्ति के ३ एकड़ का ले-आऊट बनाया गया है। उपरोक्त ले-आऊट में जाने के लिए नक्शे में दिखाया गया अप्रोच रोड अन्य स्थान पर है। किंतु रिंग रोड से समीप होने के लिए पुल का निर्माण करने हेतु महिला पार्षद द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है। विशेष यह है कि उपरोक्त पुलिया २०१९ के नियोजन में मंजूर की गई थी तथा ले-आऊट का अभिन्यास २०२० में मंजूर हुआ था। उस स्थान पर किसी भी प्रकार की बस्ती या नागरिकों का निवास नहीं है। सिर्फ एक निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए शासन की निधि का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस मामले में कार्य को तत्काल रोककर जांच समिति का गठन कर जांच की जाए। जिससे सारी सच्चाई सामने आ सके। क्योंकि महिला पार्षद व बांधकाम विभाग के अधिकारियों द्वारा उपरोक्त कार्य का टेंडर दुर्गा कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिलने पर उस पर जल्द से जल्द निर्माण कार्य करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस प्रकार की मांग का ज्ञापन प्रभाग क्रमांक १० के पार्षद दीपक बोबडे द्वारा नगर परिषद मुख्य अधिकारी करण चौहान को दिया है।

शासकीय मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस की पहली शल्यक्रिया सफल

गोंदिया – कोरोना संक्रमण के दौरान संक्रमित मरीज फंगस (म्युकरमायकोसिस) की चपेट में आ रहे हैं, जो काफी घातक होने के साथ ही मरीज की जान तक ले लेती है। इसी बिमारी से ग्रस्त एक मरीज की पहली शल्यक्रिया गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में की । जिसे डॉ.गौरव अग्रवाल व उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

उल्लेखनीय है कि गोरेगांव तहसील के ग्राम कुन्हाड़ी निवासी ४२ वर्षीय व्यक्ति १२ मई से कोरोना संक्रमित होने के चलते शासकीय मेडिकल कॉलेज में उपचार के लिए दाखिल था। इस दौरान डायबिटीज की अधिकता के चलते वह ब्लैक फंगस की चपेट में आ गया। जिससे उसकी नाक में ब्लैक फंगस का संक्रमण फैलने के साथ ही आंख को संक्रमित कर रहा था। जिससे धीरे धीरे मरीज की स्थिति चिंताजनक होती जा रही थी। इस परिस्थिति को देखते हुए के मेडिकल कॉलेज में ही मरीज की शल्यक्रिया करने का निर्णय लिया गया। यह शल्यक्रिया मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस की पहली शल्यक्रिया थी। जिसे नाक, कान, गला विशेषज्ञ शल्य चिकित्सक डॉ.गौरव अग्रवाल व उसकी टीम द्वारा २१ मई को किया गया। जिसमें दूरबीन के माध्यम से मरीज की नाक की शल्यक्रिया की गई, जो करीब २ घंटे तक चली। ऑपरेशन होने के पश्चात मरीज की कम से कम ३ से ४ सप्ताह तक देखभाल आवश्यक है। उपरोक्त शल्यक्रिया में डॉ.गौरव अग्रवाल का सहयोग डॉ.कृपाल पारधी, डॉ.हरकवल बग्गा, डॉ.विनीता यादव व एनेस्थीसिया टीम में डॉ.रमेश सुगंध, डॉ. गजानन खरपाल, डॉ.रश्मि पारधी व नर्सिंग व टेक्नीशियन कर्मचारियों ने विशेष सहयोग दिया।

विशेष यह है कि वर्तमान समय में ब्लैक फंगस से संक्रमित मरीज की शल्यक्रिया करने के लिए नागपुर रेफर किया जाता था। लेकिन अब गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में यह कार्य डॉ.गौरव अग्रवाल व उनकी टीम द्वारा सफलतापूर्वक किए जाने से मरीजों को नागपुर रेफर करने की स्थिति निर्माण नहीं होंगी। ब्लैक फंगस की शल्यक्रिया किए जाने पर डॉ.अग्रवाल व उनकी टीम का शासकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.नरेश तिरपुड़े व अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों तथा मित्र परिवार व शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

गोंदिया के उड़ानपुल व कारागृह के निर्माण कार्य का मार्ग खुला

सांसद प्रफुल पटेल ने मंत्री अशोक चौहान से मंत्रालय में की सभा

गोंदिया-भंडारा जिले के अनेक प्रलंबित निर्माण कार्य की बाधाओं को दूर कर जल्द से जल्द शुरु करने के संदर्भ में २५ मई को मुंबई मंत्रालय में सभा आयोजित की गई। जिसमें सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोक चौहान व सांसद प्रफुल पटेल प्रमुख रुप से उपस्थित थे। इस अवसर पर गोंदिया शहर के उड़ानपुल, कारागृह के निर्माण व मार्गों के निर्माण के विषय पर सकारात्मक चर्चा हुई। जिसके चलते जल्द ही जिले के प्रलंबित निर्माण कार्य का मार्ग खुल जाएगा।

गौरतलब है कि सांसद प्रफुल पटेल की पहल पर मंत्रालय में सार्वजनिक बांधकाम विभाग की सभा आयोजित की गई थी। जिसमें गोंदिया-बालाघाट मार्ग के पुराने उड़ानपुल को गिरा कर नये उड़ान पुल का निर्माण, टी.बी. हॉस्पिटल से गायत्री मंदिर मार्ग का चौड़ीकरण, कुडवा टी-पाईटं से पांडराबोडी व कटंगी तक मार्ग का चौड़ीकरण, शासकीय मेडिकल कॉलेज की इमारत के निर्माण कार्य के लिए शासन ने निधी बढ़ाकर अंदाज पत्र को मंजूरी दी गई है। जिसके निर्माण कार्य को शुरु करने, शासकीय विश्राम गृह की इमारत जर्जर हो गई है जिसके स्थान पर नई इमारत का निर्माण कार्य करने, रावणवाड़ी, कामठा, कालीमाटी, आमगांव मार्ग का डामरीकरण करने, तिरोड़ा-कवलेवाडा से सिहोरा मार्ग का डामरीकरण, कुड़वा, हिवरा, धापेवाडा, परसवाडा मार्ग का डामरीकरण आदि विषय पर सभा में सकारात्मक चर्चा की गई। जिस पर सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोक चौहान द्वारा इन निर्माण कार्यों की बाधाओं को दूर कर जल्द से जल्द कार्य शुरु करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।

आयोजित सभा में विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, विधायक राजू कारेमोरे, मुख्य अभियंता सार्वजनिक बांधकाम विभाग, मुख्य अभियंता राष्ट्रीय महामार्ग प्रादेशिक विभाग, अधीक्षक अभियंता सार्वजनिक बांधकाम विभाग नागपुर, अधीक्षक अभियंता राष्ट्रीय महामार्ग मंडल, प्रकल्प संचालक राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण, गोंदिया सार्वजनिक बांधकाम विभाग के कार्यकारी अभियंता तथा विभाग के सचिव उपस्थित थे।

कारागृह निर्माण कार्य पर चर्चा

सभा में गोंदिया जिले में अनेक वर्षों से प्रलंबित जिला कारागृह के निर्माण कार्य के संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिस पर सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोक चौहान द्वारा सभी बाधाओं को दूर कर निर्माण कार्य शुरु करने का निर्देश दिये गये। जिलाधिकारी कार्यालय की इमारत का नुतनीकरण के संदर्भ में भी इस अवसर पर चर्चा की गई।

शहीद जवान प्रमोद कापगते के निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी भेट

संवाददाता सड़क अर्जुनी – गोंदिया जिले के सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम परसोडी निवासी केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान प्रमोद विनायकराव कापगते नागालैंड में २५ मई को सीमा पर हुई मुठभेड़ में शहीद हो गए। उनके परसोडी निवास स्थान पर बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री व विधानसभा में विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने भेंट देकर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि व्यक्त कर उनके परिवार को सांत्वना दी ।

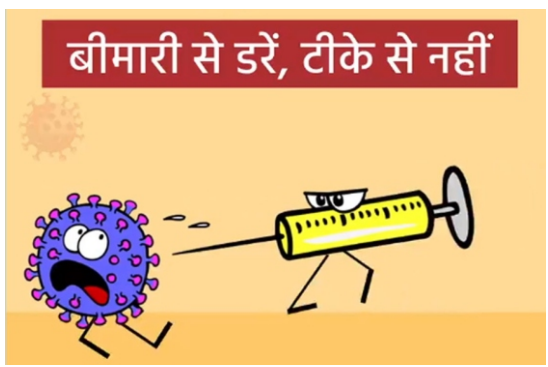

व्यापारियों की आरटीपीसीआर जांच अभियान नगर परिषद में शुरु

नेगेटिव रिपोर्ट न होने पर दुकानदारों को लगेगा १ हजार जुर्माना

गोदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत कोरोना संक्रमित मरीजों का संख्या बढ़ रहा है। जिस पर नियंत्रण करने के लिए उपाय योजना के तहत संक्रमण न बढ़े, इसके लिए व्यापारियों की कोरोना आरटीपीसीआर जांच अभियान नगर परिषद सभागृह में २१ मई से शुरु की गई है। व्यवसाय करने के दौरान कोरोना की आरटीपीसीआर जांच की नेगेटिव रिपोर्ट पास में न होने पर व्यापारियों पर १ हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत प्रशासन द्वारा प्रतिदिन अनेक नागरिकों के संपर्क में आने वाले किराना व्यवसायी, फल, सब्जी विक्रेता व अन्य के कारण संक्रमण न बढ़े इसके लिए नियमित जांच अभियान शुरु किया गया है। इसके अंतर्गत २१ मई को गोंदिया नगर परिषद के सभागृह में आरटीपीसीआर जांच का विशेष केंप लगाया गया था। जिसमें ९१ व्यापारियों की जांच की गई। २२ मई को भी जांच अभियान सुबह ९ बजे से नप सभाग्रह में शुरु रहेगा। जिसमें सभी व्यापारी जिनकी जांच नहीं हुई वे पहुंचकर अपनी जांच करवाएं तथा एक बार जांच करवाने पर नेगेटिव रिपोर्ट १५ दिनों तक संबंधित व्यापारी को अपने व्यापार स्थल पर रखना होगा। यदि कोई व्यापारी रिपोर्ट पास में नहीं रखता है तो उस पर १ हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही यदि कोई पॉजिटिव आता है तो उस दुकानदार का उपचार शासकीय नियम के अनुसार होगा। इस प्रकार की जानकारी नगर परिषद मुख्याधिकारी करण चौहान ने दी।

१४.७४ लाख की अवैध राशि रेल्वे पुलिस ने की जप्त

गोंदिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक १ पर २४ मई की दोपहर जनशताब्दी एक्सप्रेस से पंडरीतलाई रायपुर निवासी संजु मंगल बेहरा (३५) के पास से गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा अवैध रुप से लेकर जा रही नगदी १४ लाख ७४ हजार ३०० सौ रुपए जप्त की गई। गौरतलब है कि गोंदिया रेलवे स्टेशन पर अपराधों पर लगाम लगाने के लिए रेलवे पुलिस अधीक्षक एस.राजकुमार के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा निरंतर जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत जांच व गस्त के दौरान २४ मई को रेलवे पुलिस के उपनिरीक्षक प्रवीण भीमटे को गुप्त सूचना मिली कि, रायपुर की ओर जाने वाली जनशताब्दी एक्सप्रेस से कुछ संदेहास्पद वस्तु का परिवहन किया जा रहा है। जानकारी प्राप्त होने के पश्चात अपने स्टाफ के साथ प्लेटफार्म क्रमांक १ पर खड़ी जनशताब्दी एक्सप्रेस में गश्त लगाते समय एक व्यक्ति संदेहास्पद स्थिति में दिखाई दिया। जिससे पूछताछ किए जाने पर उसने अपना नाम संजू मंगल बेहरा तरुण नगर, पंडरीतलाई जिला रायपुर निवासी बताया। व उक्त गाड़ी से रायपुर जाने की जानकारी दी। जिसके पास मौजुद बैग के संदर्भ में पूछताछ किए जाने पर समाधानकारक जवाब नहीं दक पाया। तलाशी लिए जाने पर उसमें २ हजार, ५००, २०० व १०० रुपयों के नोट बड़ी मात्रा में दिखाई दिए। पूछताछ किए जाने पर उसने असमर्थता व्यक्त करते हुए रकम के संदर्भ में किसी भी प्रकार का समाधान कारक जवाब नहीं दे पाया। पोलिस द्वारा पंचों के समक्ष रकम की गिनती की गई तो उसमें १४ लाख ७४ हजार ३०० रुपये पाये गये। गोंदिया रेलवे पुलिस द्वारा मामले की जानकारी आयकर विभाग गोंदिया को दी गई है। संभावना जताई जा रही है कि उपरोक्त रकम हवाला अथवा किसी नंबर दो के व्यवसाय से संबंधित हो सकती है। उपरोक्त कार्रवाई रेलवे पुलिस अधीक्षक एस.राजकुमार, अपर पुलिस अधीक्षक वैशाली शिंदे, उप विभागीय पोलीस अधिकारी एस.वी. शिंदे के मार्गदर्शन में गोंदिया रेलवे पुलिस की प्रभारी अनीता खेड़कर के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक प्रवीण भीमटे, पोहवा अरुण गोंदोले, पोका ओमप्रकाश सेलौटे, नंदकिशोर नारनवरे, अखिलेश रॉय ने की।

नई प्रशासकीय इमारत में आरटीपीसीआर जांच का विशेष अभियान

सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की हुई जांच

गोंदिया – कोरोना की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते के मार्गदर्शन में गोंदिया की नई प्रशासकीय इमारत में स्थित सभी विभागों के कार्यालयों में कार्य करने वाले शासकीय अधिकारी व कर्मचारियों की कोरोना जांच आरटीपीसीआर का विशेष केंप का आयोजन २० मई को आयोजित किया गया। जिसमें १०० से अधिक जांच की गई है।

उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते ने बताया कि प्रशासकीय इमारत में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्य करते हैं तथा नागरिक भी विभिन्न कार्यों के लिए आते-जाते हैं। जिससे संक्रमण न फैले तथा यदि कोई संक्रमित भी हो तो जांच में सामने आने पर सावधानी बरती जाए। इसलिए इस केंप का आयोजन कर सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की नियमित जांच करवाई गई है। उपरोक्त जांच अभियान के दौरान उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, अपर तहसीलदार अनिल खड़तकर उपस्थित थे।

संपादकिय

कोरोना के बीच ब्लैक फंगस

कोरोना की दूसरी लहर से अभी हम पार भी नहीं पा सके हैं कि ब्लैक फंगस (म्यूकरमाइकोसिस) के रुप में एक नई चुनौती अपने घातक रुप में सामने आ गई। हालांकि यह कोई नई बीमारी नहीं है, लेकिन नए हालात में यह इतनी तेजी से और इतने बड़े पैमाने पर फैली कि इसे काबू करना कठिन हो गया। महाराष्ट्र के कुछ जिलों से शुरुआत हुई, और देखते-देखते कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, बिहार, हरियाणा जैसे तमाम प्रांतों से इसके नए-नए मामले सामने आने लगे। चूंकि इसमें मृत्यु दर अधिक है, इसलिए भी इसे लेकर लोगों में खौफ ज्यादा है। शुक्रवार को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे देश के लिए गंभीर चुनौती बताया। इससे पहले गुरुवार को ही केंद्र सरकार राज्यों से कह चुकी थी कि इसे महामारी घोषित करने में देर न करें। हालात की गंभीरता को देखते हुए राज्यों ने केंद्र की इस सलाह पर अमल भी शुरु कर दिया। दस राज्यों में ब्लैक फंगस महामारी घोषित की जा चुकी है। इससे फायदा यह होता है कि संबंधित राज्य में इसके जितने भी कन्फर्म या संदिग्ध मामले आते हैं उनके बारे में पूरी सूचना नियमित रुप से स्वास्थ्य विभाग और संबंधित एकीकृत कमान तक पहुंचाई जाती रहती है।

दूसरे शब्दों में, इससे निपटने के प्रयासों को समायोजित और समन्वित करना आसान हो जाता है। यह नई महामारी कोरोना की कोख से निकली हुई इसलिए भी लग रही है कि आज की तारीख में इसके तकरीबन सभी मामले कोरोना का इलाज करा रहे या इससे उबर चुके लोगों में ही दिख रहे हैं। हालांकि सचाई यह है कि इसका कोरोना से सीधे तौर पर कोई नाता नहीं है। चूंकि ब्लैक फंगस का शिकार होने में इम्यून सिस्टम का कमजोर होना अक्सर निर्णायक भूमिका निभाता है और कोरोना से संक्रमित लोगों की प्रतिरोधक शक्ति कई कारणों से कमजोर पड़ चुकी होती है, इसलिए वे इसके ज्यादा शिकार हो रहे हैं।

मगर पूरे देश में कोरोना और ब्लैक फंगस के प्रसार का जो खतरा हमारे सामने है, उसके मद्देनजर अच्छा यही होगा कि कम से कम आम लोगों के स्तर पर इन दोनों चुनौतियों को अलग-अलग न माना जाए। दोनों में ही समानता यह है कि इसके उपचार की कठिन प्रक्रिया में पड़ने से कहीं बेहतर और आसान है इससे बचाव के उपाय करना और उसे सतर्कता से जारी रखना। दूरी बरतते हुए और मास्क, सैनिटाइजर वगैरह का समझदारी से इस्तेमाल करते हुए जहां लोग कोरोना से बचे रह सकते हैं, वहीं शुगर लेवल को कंट्रोल रखने, साफ-सफाई पर ज्यादा ध्यान देने और शरीर की प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने वाले उपाय करते रहने जैसी सावधानियों की बदौलत ब्लैक फंगस को भी दूर रख सकते हैं। यह समझना जरुरी है कि इन दोनों ही चुनौतियों से निपटने में सबसे महत्वपूर्ण और कारगर भूमिका सामान्य लोगों की ही रहने वाली है।

धान खरीदी सिर्फ कागजों पर दो-तीन दिनों में धान खरीदी नहीं हुई तो उतरेंगे रास्ते पर - पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस

गोंदिया – महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व विरोधी दल नेता देवेंद्र फडणवीस ने कोविड की समीक्षा के पश्चात खरीफ और रबी धान के मामलों पर जिलाधिकारी कार्यालय गोंदिया में बैठक आयोजित की। इस बैठक में गोदामों की स्थिति, खरीफ धान की खरीदी, उसकी उठाई, धान के बोनस, बाहर खुले में पड़े धान की स्थिति एव रबी धान की खरीदी पर अधिकारियों से चर्चा की।

खरीफ धान के बड़े पैमाने पर बाहर खुले में पड़े होने पर पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा धान के गोदाम फुल है, जिले में ४३ लाख क्विंटल धान खरीदी में सिर्फ १ लाख क्विंटल धान की उठाया गया जो सरकार की गलत कार्यप्रणाली की पोल खोल रही है। सरकार किसानों के मामले में पूरी तरह फेल दिखाई दे रही है।

फड़णवीस ने कहा, रबी धान की खरीदी अभी तक शरु नही हुई है। जो केंद्र द्वारा दिखाया जा रहा है वो सिर्फ फोटोसेशन कर दिखाए जा रहे है। जबकि किसानों का धान खुले में पड़ा हुआ है। जिले में रबी की भरपूर पैदावार हुई है। १५ दिनों के भीतर करीब २५ लाख क्विंटल धान खरीदी की जानी चाहिये। अगर दो-तीन दिन में रबी धान खरीदी शुरु नहीं होती है तो हम किसानों के हित मे खड़े होकर कोविड नियमों के विरुद्ध जाकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे।

घोटालों के आरोपो में रद्द संस्थाओं को पुन: शुरु किए जाने पर मामला सीबीआई को सौंपेगे

पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, जिन धान खरीदी संस्थाओ को धान घोटालों के मामलों में कार्रवाई कर रद्द किया गया था, उन्हें पुन: शुरु करने के आदेश देकर सरकार ने घोटालेबाज संस्थाओं को बढ़ावा दिया है। ऐसी संस्थाओं को पुन: धान खरीदी करने का आदेश देने पर तथा धान प्रक्रिया की जांच हेतु मामले को सीबीआई को सौंपा जाएगा। इसमें केंद्र से प्राप्त निधी का घोटाला हुआ है।

म्युकरमाइकोसिस मरीजों के निशुल्क उपचार पर सरकार के दावे खोखले

राज्य मे म्यूकरमायकोसिस मरीजों की संख्या बड़े पैमाने पर बढ़ रही है। जिस पर सरकार द्वारास महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत निशुल्क उपचार करने का दावा किया जा रहा है, वो खोखला साबित हो रहा हैं। सिर्फ सरकारी चिकित्सालय व कुछ पंजीकृत चिकित्सालयों में योजना के अंतर्गत उपचार हो रहा है। अभी बड़ी संख्या में मरीज निजी चिकित्सालय में उपचार कर लाखों रुपए दे रहें हैं। जिससे उन्हें घरबार बेचने की नौबत आ रही है। सरकार द्वारा मरीजों के लिए लगने वाले इंजेक्शन निशुल्क उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। चाहे वे कहीं भी उपचार करवा रहे हों, साथ ही निजी चिकित्सालय में उपचार की दर निश्चित होनी चाहिए।

इस दौरान, पूर्व ऊर्जा मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले, पूर्व मंत्री व विधायक.डॉ.परिणय फुके, सांसद सुनील मेंढे, विधायक विजय रहांगडाले, जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, भाजपा जिलाध्यक्ष केशव मानकर, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, रमेश कुथे, संजय पुराम, बालाभाऊ अंजनकर, सुनील केलनका, संजीव कुलकर्णी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

ब्रेक द चैन के तहत १४ जून तक निशुल्क मिलेगा शिव भोजन

मुख्यमंत्री ने जनता को दिया दिलासा

राज्य में योजना के अंतर्गत ४८ लाख से अधिक नागरिकों ने लिया लाभ

मुंबई - महाराष्ट्र राज्य में शुरु ब्रेक द चैन के अंतर्गत समाज के विभिन्न घटकों के लिए जो पैकेज घोषित किया है, उसके अंतर्गत राज्य के गरीब और जरुरतमंद नागरिकों को १५ अप्रैल से १ महीने के लिए शिव भोजन थाली के अंतर्गत निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गयी थी। जिसकी समय अवधि आगामी १४ जून २०२१ तक बढ़ाकर मुख्यमंत्री ने राज्य के जरुरतमंद गरीब जनता को एक दिलासा दिया है।

गौरतलब है कि राज्य के अन्न व नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की पहल पर पेश किए गए प्रस्ताव को मुख्यमंत्री द्वारा मंजूरी देकर इस संदर्भ में निशुल्क भोजन का आदेश जारी किया गया। ब्रेक द चैन प्रक्रिया के अंतर्गत राज्य में कड़े प्रतिबंध लागू किए गए हैं। जिसके तहत शिव भोजन थाली का राज्य में प्रतिदिन डेढ़ गुना बढ़ोतरी की गई है।

४८ लाख से अधिक नागरिकों ने लिया निशुल्क लाभ

राज्य में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रादुर्भाव के कारण इसे नियंत्रण में लाने के लिए ब्रेक द चैन जारी है। इस समय अवधि के दौरान राज्य की जरुरतमंद गरीब जनता को परेशानी न हो, इसके लिए १५ अप्रैल से शिव भोजन थाली निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। जिसके अंतर्गत १५ अप्रैल से २० मई २०२१ तक ४८ लाख ४४ हजार ७०९ नागरिकों द्वारा इसका निशुल्क लाभ उठाया है। जिससे उन्हें काफी राहत मिली है।

अब तक ४ करोड़ से अधिक शिव थाली का वितरण

राज्य में शिवशाही थाली योजना शुरु होने से लेकर अब तक ४ करोड़ २७ लाख ८१ हजार ३०६ थालियों का वितरण राज्य भर में किया गया है तथा इसके लिए पूरे राज्य में ९५० केंद्र शुरु हैं।

बुद्ध पूर्णिमा

पूर्णिमा संस्कृत का शब्द है। पूर्णिमा का दिन प्रत्येक महीने में तब (दिन) तीथ का होता है जब पूर्णिमा होती है, और प्रत्येक महीने में दो चंद्र नक्षत्रों (पक्ष) के बीच के विभाजन को चित्रित करता है, और चंद्रमा एक सीधी रेखा में सूर्य और के साथ संरेखित होता है पृथ्वी। पूर्णिमा को चंद्रमा के चार प्राथमिक चरणों में से तीसरा माना जाता है। अन्य तीन चरण हैं अमावस्या, पहली तिमाही चंद्रमा और तीसरी तिमाही चंद्रमा। पूर्णिमा को १०० प्रश रोशनी दिखाती है, उच्च ज्वार का कारण बनती है, और चंद्र ग्रहण के साथ मिल सकती है।

बुद्ध पूर्णिमा (वेसक या हनमतसूरी) बौद्ध धर्म में आस्था रखने वालों का एक प्रमुख त्यौहार है। यह बैसाख माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, इसी दिन उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और इसी दिन उनका महानिर्वाण भी हुआ।

५६३ ई.पू. बैसाख मास की पूर्णिमा को बुद्ध का जन्म लुंबिनी, शाक्य राज्य (आज का नेपाल) में हुआ था। इस पूर्णिमा के दिन ही ४८३ ई. पू. में ८० वर्ष की आयु में **कुशनारा** में उनका महापरिनिर्वाण हुआ था। वर्तमान समय का कुशीनगर ही उस समय कुशनारा था। इस वर्ष २०२१ में बुद्ध पूर्णिमा २६ मई को है।

भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बुद्धत्व या संबोधि) और महापरिनिर्वाण ये तीनों वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुए थे। इसी दिन भगवान बुद्ध को बुद्धत्व की प्राप्ति भी हुई थी। आज बौद्ध धर्म को मानने वाले विश्व में १८० करोड़ से अधिक लोग है, वे इसे धूमधाम से मनाते हैं। हिन्दू धर्मावलंबियों के लिए बुद्ध विष्णु के नौवें अवतार हैं। अत: हिन्दुओं के लिए भी यह दिन पवित्र माना जाता है। यह त्यौहार भारत, चीन, नेपाल, सिंगापुर, वियतनाम, थाइलैंड, जापान, कंबोडिया, मलेशिया, श्रीलंका, म्यांमार, इंडोनेशिया, पाकिस्तान तथा विश्व के अन्य कई देशों में मनाया जाता है।

बिहार स्थित बोधगया नामक स्थान हिन्दू व बौद्ध धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थ स्थान हैं। गृहत्याग के पश्चात सिद्धार्थ सत्य की खोज के लिए सात वर्षों तक वन में भटकते रहे। यहां उन्होंने कठोर तप किया और अंतत: वैशाख पूर्णिमा के दिन बोधगया में बोधिवृक्ष के नीचे उन्हें बुद्धत्व ज्ञान की प्राप्ति हुई। तभी से यह दिन बुद्ध पूर्णिमा के रुप में जाना जाता है। बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर बुद्ध की महापरिनिर्वाणस्थली कुशीनगर में स्थित महापरिनिर्वाण विहार पर एक माह का मेला लगता है। यद्यपि यह तीर्थ गौतम बुद्ध से संबंधित है, लेकिन आस-पास के क्षेत्र में हिंदू धर्म के लोगों की संख्या ज्यादा है जो विहारों में पूजा-अर्चना करने वे श्रद्धा के साथ आते हैं। इस विहार का महत्व बुद्ध के महापरिनिर्वाण से है। इस मंदिर का स्थापत्य अजंता की गुफाओं से प्रेरित है। इस विहार में भगवान बुद्ध की लेटी हुई (भू-स्पर्श मुद्रा) की ६.१ मीटर लंबी मूर्ति है। जो लाल बलुई मिट्टी की बनी है। यह विहार उसी स्थान पर बनाया गया है, जहां से यह मूर्ति निकाली थी। विहार के पूर्व हिस्से में एक स्तूप है। यहां पर भगवान बुद्ध का अंतिम संस्कार किया गया था। यह मूर्ति भी अजंता में बनी भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण मूर्ति की प्रतिकृति है।

श्रीलंका व अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में इस दिन को **वेसाक** उत्सव के रुप में मनाते हैं जो **वैशाख** शब्द का अपभ्रंश है। इस दिन बौद्ध अनुयायी घरों में दीपक जलाते हैं और फूलों से घरों को सजाते हैं। विश्व भर से बौद्ध धर्म के अनुयायी बोधगया आते हैं और प्रार्थनाएं करते हैं। इस दिन बौद्ध धर्म ग्रंथों का पाठ किया जाता है। विहारों व घरों में बुद्ध की मूर्ति पर फल-फूल चढ़ाते हैं और दीपक जलाकर पूजा करते हैं। बोधिवृक्ष की भी पूजा की जाती है। उसकी शाखाओं को हार व रंगीन पताकाओं से सजाते हैं। वृक्ष के आसपास दीपक जलाकर इसकी जड़ों में दूध व सुगंधित पानी डाला जाता है।। इस पूर्णिमा के दिन किए गए अच्छे कार्यों से पुण्य की प्राप्ति होती है। पिंजरों से पक्षियों को मुक्त करते हैं व गरीबों को भोजन व वस्त्र दान किए जाते हैं। दिल्ली स्थित बुद्ध संग्रहालय में इस दिन बुद्ध की अस्थियों को बाहर प्रदर्शित किया जाता है, जिससे कि बौद्ध धर्मावलंबी वहां आकर प्रार्थना कर सकें।

इसी दिन **सत्य विनायक पूर्णिमा** भी मानी जाती है। भगवान श्रीकृष्ण के बचपन के दरिद्र मित्र ब्राम्हण सुदामा जब द्वारिका उनके पास मिलने पहुंचे तो श्रीकृष्ण ने उनको सत्यविनायक व्रत का विधान बताया। इसी व्रत के प्रभाव से सुदामा की सारी दरिद्रता जाती रही तथा वह सर्वसुख सम्पन्न और ऐश्वर्यशाली हो गया। इस दिन धर्मराज की पूजा करने का विधान है। इस व्रत से धर्मराज की प्रसन्नता प्राप्त होती है और अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता। वैशाख की पूर्णिमा को ही भगवान विष्णु का नौवां अवतार भगवान बुद्ध के रुप में हुआ था। इसी दिन भगवान बुद्ध का निर्वाण हुआ था। उनके अनुयायी इस दिवस को बहुत धूमधाम से मनाते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान का महत्व

वैसे तो प्रत्येक माह की पूर्णिमा श्रीहरि विष्णु भगवान को समर्पित होती है। शास्त्रों में पूर्णिमा को तीर्थ स्थलों में गंगा स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। वैशाख पूर्णिमा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इस पूर्णिमा को सूर्य देव अपनी उच्च राशि मेष में होते हैं और चंद्रमा भी उच्च राशि तुला में। शास्त्रों में पूरे वैशाख माह में गंगा स्नान का महत्व बताया गया है। शास्त्रों में यह भी वर्णित है कि पूर्णिमा का स्नान करने से पूरे वैशाख माह के स्नान के बराबर पुण्य मिलता है। बुद्ध पूर्णिमा के दिन किया गया स्नान मनुष्य के कई जन्मों के अधर्मी कार्यों को समाप्त कर सकता है, ऐसी मान्यता रही है।

प्रेरक प्रसंग

महात्मा बुद्ध के सद्गुणों से प्रभावित होकर बहुत-से लोग उनके शिष्य बन गए थे। आम जनमानस उनका बहुत आदर सत्कार करता था। किंतु संसार में जहां संतों का आदर सम्मान करने वाले संस्कारी लोग होते हैं, वहां अकारण ही उनसे ईर्ष्या, द्वेष करने वाले व्यक्ति भी संसार में मिल ही जाते हैं। ऐसा ही एक व्यक्ति महात्मा बुद्ध से अकारण ही वैरभाव रखता था और उन्हें गालियां दिया करता था। महात्मा बुद्ध उसकी गालियों का कोई उत्तर न देते। उसकी ओर देखकर मुस्कराते और आगे बढ़ जाते।

एक बार निरंतर दो दिन तक महात्मा बुद्ध को वह व्यक्ति दिखाई नहीं दिया। उन्होंने एक शिष्य को उस व्यक्ति का पता लगाने को कहा। शिष्य ने थोड़ी देर में पता लगाकर बताया कि वह व्यक्ति परसों घोड़े पर सवार होकर कहीं जा रहा था, मार्ग में घोड़ा अचानक बिगड़ गया और बेकाबू हो गया। वह व्यक्ति संभल न सका और नीचे गिर गया। जिससे उसे बहुत चोटें आयी हैं। बिस्तर पर पड़ा वह दर्द से कराह रहा है। अपने घर में वह अकेला ही रहता है। वह चूंकि अत्यंत क्रोधी और झगड़ालू प्रवृत्ति का है, इसलिए कोई पड़ोसी उसके पास नहीं फटकता। सारा वृतांत सुनते ही महात्मा बुद्ध का हृदय करुणा से भर गया। वे तुरंत उसके घर चल दिए और सीधे उस कमरे में पंहुचे, जहां पड़ा वह दर्द से कराह रहा था। उसके माथे पर प्यार भरा हाथ रखते हुए कहा, कैसी तबीयत है।

आवाज सुनते ही उसने आंखें खोली। महात्मा बुद्ध को देखते ही वह अपना सारा दर्द भुल गया। वह एकटक उन्हें आंखें फाड़ फाड़ कर देखने लगा। कुछ पल ऐसे ही देखता रहा, फिर उठने का प्रयास करने लगा। महात्मा बुद्ध बोले, उठो नहीं, तुम्हें आराम की आवश्यकता है। फिर उसके घावों को अच्छी तरह साफ करके मरहम पट्टी की, दो भिक्षुओं को वहां रहकर उसकी सेवा करने का आदेश दिया। फिर उस व्यक्ति को संबोधित करते हुए बोले, जब तक तुम पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो जाते, ये दोनों यहीं रहकर तुम्हारी सेवा करेंगे। महात्मा बुद्ध के प्रेम भरे शब्द सुनकर उसे अपने किए पर बहुत पछतावा हुआ। उसने तथागत के चरणों में गिरकर अपने अनुचित व्यवहार के लिए माफी मांगी और उनका शिष्य हो गया

साप्ताहिक राशिफल

मेष : प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा चल रहा है। परिवार व दोस्तों के साथ किसी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। अपनी पेशेवर क्षमता के चलते संगठन के शीर्ष कुछ लोगों में शामिल हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं।

वृषभ : कार्यक्षेत्र आपको कोई रोक रहा है इसलिए सतर्क रहें और मेहनत करते रहें। जीवनसाथी के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश करें। समाज में किसी व्यक्ति की बढ़ती लोकप्रियता से आपको ईर्ष्या हो सकती है। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मिथुन : व्यापार में चल रही हानि का असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका ढीला रवैया आपको परेशानी में डाल सकता है। समाज में अपनी पहचान बनाने में आप सफल होंगे।

कर्क : डॉक्टर्स व इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों की आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। जीवनसाथी के मूड का ख्याल रखें वरना समस्या हो सकती है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी में हिस्सा लेकर ऊर्जावान महसूस करेंगे। छुट्टियों पर जाने के प्रोग्राम स्थगित होगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर किसी प्रोजेक्ट में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक रुप से आपको थोड़ा मुखर होने की आवश्यकता है, वरना कोई आपको किनारे कर सकता है। धन लाभ के चलते इस सप्ताह आप आर्थिक रुप से मजबूत रहेंगे।

कन्या : प्रेम संबंधों के लिए समय रोमांच भरा साबित होगा। इस शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी जगह नौकरी दिलाने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। समस्या से बचने के लिए दिए गए काम को समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

तुला : पढ़ाई में इस सप्ताह आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। धन संबंधित परेशानियों को दूर करने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, इस सप्ताह आपकी रोमांटिक आकांक्षाएं जल्द पूरी होंगी।

वृश्चिक : काम के बोझ का असर आपके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ मतभेद की आशंका है। पढ़ाई में निराशाजनक प्रदर्शन से आत्मविश्वास कम हो सकता है।

धनु : पिछले निवेश से अच्छे रिटर्न्स मिलने की संभावना है। धन लाभ व यात्रा के भी योग बन रहे हैं। किसी चीज को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है।

मकर : कार्यक्षेत्र पर अच्छी नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। किसी परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न होगा। प्रेम संबंधों के लिए समय मिला-जुला रहेगा। इससे पहले कि आपका साथी आपके पिछले जीवन के बारे में जानें, बेहतर होगा कि आप उसे पहले ही सब बता दें।

कुंभ : सप्ताह अधूरे कामों को पूरा करने के लिए उपयुक्त रहेगा। किसी व्यावसायिक यात्रा पर जाकर अच्छा महसूस कर सकते हैं। अच्छी प्लानिंग के चलते काम समयसीमा में पूरा होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। किसी से मिले सरप्राइज गिफ्ट से मन प्रसन्न होगा।

मीन : किसी स्कीम में पैसा लगाने में जल्दबाजी से धनहानि हो सकती है। खानपान को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। प्रेम संबंधों को लेकर सप्ताह संतोषजनक रहेगा। किसी यात्रा पर जाने से पहले मौसम के बारे में जानकारी लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

स्ट्रीट लाईट कटौती के लिए जि.प.प्रशासन जिम्मेदार -फिरोज बंसोड

प्रशासन के लापरवाही से गांवों में छाया अंधकार का साम्राज्य

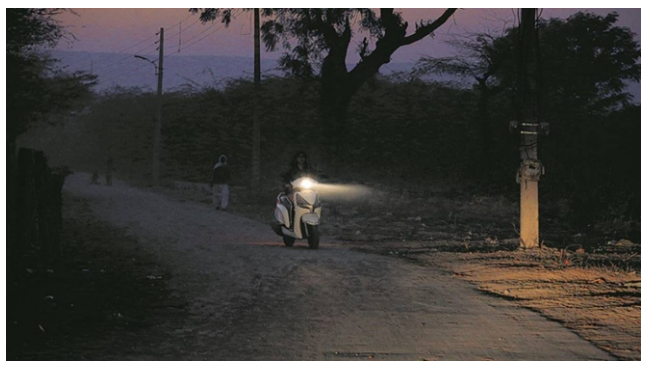

गोंदिया – इन दिनों संपूर्ण भारत में फिर से कोरोना महामारी का प्रकोप तेजी से बढ़ते जा रहा है। ऐसे परिस्थिती में सावधानी बरतना अनिवार्य है। गोंदिया जिले में फिलहाल जिला परिषद में सदस्य का कार्यकाल समाप्त होने से प्रशासक का शासन है। प्रत्येक गांवों में बिजली पोल पर स्ट्रीट लाईट की सुविधा पंचायत विभाग द्वारा की जाती है। जिसका बिल पंचायत विभाग द्वारा दिया जाता है। परंतु जिला परिषद में अभी कोरोना के वजह से चुनाव नहीं होने से प्रशासक का शासन चल रहा है। पंचायत का कार्य ठीक से नही चलने से अनेक गांवो की स्ट्रीट लाईट काट दी गई है। एक तरफ कोरोना का संकट इस देश में छाया हुआ है। बरसात के दिनों की शुरुवात होते ही ग्रामीण अंचल में लाईट बंद होने की समस्या काफी बढ़ जाती है। सारा गांव अंधकारमय हो जाता है। आखिरकार इसका जवाबदार कौन होगा, जब गांव में चोरियां होंगी और दुर्घटनाएं होगी? ऐसा सवाल आसोली ग्राम के जिला परिषद प्रमुख फिरोज बंसोड ने प्रशासन से किया है।

स्ट्रीट लाईट काटने के संबंध में पंचायत को किसी भी प्रकार की पूर्व सुचना नही दी गई थी। जिस पर बंसोड ने प्रशासन के इस कार्य पर काफी नाराजगी व्यक्त की। इसमें सामान्य जनता का काफी नुकसान हो रहा। एक ओर देश में कोरोना के वजह से संचारबंदी लागु है, जिससे लोगों की आर्थिक स्थिती अत्यंत खराब हो चुकी है। जनता हर साल समय पर ही ग्राम पंचायत का टेक्स भर देती है, फिर भी जनता को ही अेधेरे में रहना पड़ेगा। अधिकतर देखा गया है की गलती किसी की भी हो, मगर सामान्य वर्ग के नागरिकों को भुगतना पड़ता है। इसके लिए आसोली के जिला परिषद सदस्य फिरोज बंसोड ने प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त की है। साथ ही जल्द से जल्द इसका भुगतान कर सारे ग्राम को अंधकार से छुटकारा दे, ऐसी भावनाओं के साथ अपने विचार व्यक्त किये।

प्रधानमंत्री आवास योजना : दूसरे चरण की केंद्र द्वारा मंजूर राशि महाराष्ट्र सरकार लाभार्थियों को तत्काल वितरित करें - सांसद मेंढे

गोंदिया – प्रधानमंत्री आवास योजना के दूसरे चरण में केंद्र के हिस्से की निधि राज्य सरकार को मार्च २०२१ में ही दे दी गई है। लेकिन मई माह खत्म होने के कगार पर है, इसके बावजूद गोंदिया-भंडारा जिले के लाभार्थियों के खाते में अब तक राशि जमा करने की कार्रवाई राज्य सरकार द्वारा नहीं की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के संदर्भ में राज्य सरकार की उदासीनता निंदनीय है। गत २ वर्षों से लाभार्थी केवल किस्त की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसलिए राज्य सरकार जल्द से जल्द लाभार्थियों को किस्तों का भुगतान करें,, ऐसी मांग सांसद सुनील मेंढे द्वारा की गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा दी गई राशि महाराष्ट्र की आघाडी सरकार द्वारा अब तक लाभार्थियों को क्यों नहीं दी जा रही है? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। इस संदर्भ में गोंदिया-भंडारा जिले के सांसद सुनील मेंढे ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ३०४० मकानों को मंजूरी दी गई है। केंद्र सरकार द्वारा लाभार्थियों के लिए ४५ करोड़ ६० लाख रुपये महाराष्ट्र को दिया जाना है। जिसमें से पहली किस्त ११ करोड़ ७७ लाख रुपए लाभार्थियों को वितरित किया गया है। दूसरी किस्त के रुप में केंद्र सरकार द्वारा १३ करोड़ ८५ लाख रुपये महाराष्ट्र सरकार को दिए गए हैं। लेकिन ३ माह होने को आ रहे है, अब तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा जरुरतमंद लाभार्थियों के खाते में किस्त की राशि जमा नहीं कराई गई ह। जिससे लाभार्थियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में उदासीन रवैया अपनाया जा रहा है। इस मामले में सांसद मेंढे ने राज्य सरकार से लगातार संपर्क कर पहली किस्त के वितरण का प्रमाणपत्र केंद्र सरकार को भेजा था। राज्य सरकार की उदासीनता के चलते प्रमाणपत्र न दिए जाने के कारण केंद्र सरकार को दूसरी किस्त देने में विलंब हो रहा था। जिले में ३० से ३२ महीने पहले मंजूर प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्य राज्य सरकार की नाकामी के चलते अधर में लटके हुए हैं तथा आगामी बारिश में भी लाभार्थियों को छत मिल पाएंगी या नहीं? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा तत्काल लाभार्थियों के खाते में राशि जमा करवाने की मांग सांसद सुनील मेंढे द्वारा महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजीत पवार से की है।

वन विभाग ने मृतक वनपाल के परिवार को दिया ५ लाख का चेक

१४८५ वनकर्मियों का किया गया था बीमा

गोंदिया वन विभाग के सालेकसा वन परिक्षेत्र में वनपाल के पद पर कार्यरत आमगांव निवासी लखनलाल ताराचंद मोरध्वज की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिससे परिवारों पर आर्थिक संकट आन पडा। जिसे देखते हुए तत्काल मृतक की पत्नी वंदना मोरध्वज को बीमा राशि के ५ लाख रुपए का चेक १८ मई को दिया गया। इस दौरान गोंदिया-भंडारा जिला वन विभाग शासकीय कर्मचारी सहकारी पतसंस्था के सचिव राकेश बाम्हणे तथा संस्था के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस संदर्भ में सचिव राकेश बाम्हणे ने जानकारी देते हुए बताया कि गोंदिया व भंडारा जिले में १ हजार ४८५ कर्मचारी सभासद है। उन सभी कर्मचारियों का वर्ष २०२२ तक दुर्घटना बीमा निकाला गया है। यदि इस दौरान किसी कर्मचारी की सड़क

दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो उसे बीमा का लाभ दिया जाता है।

२५ अगस्त २०१९ को वनपाल लखनलाल मोरध्वज की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। मृत वनपाल की पत्नी वंदना मोरध्वज को ५ लाख रुपए का चेक देकर परिवार को आर्थिक संरक्षण दिया गया है।

खाद की बढ़ी हुई कीमतें कम न होने पर आंदोलन की चेतावनी

विदर्भ राज्य आंदोलन समिति ने प्रधानमंत्री के नाम दिया ज्ञापन कीमतें कम ००१

गोंदिया। कोरोना संक्रमण काल में किसानों की स्थिति वैसे ही दयनीय हो चुकी हैं। साथ ही आगामी खरीफ मौसम की फसल लगाने का कार्य भी जल्द ही शुरु होगा। ऐसे समय में केंद्र सरकार ने खाद की कीमतों में ३० से ५५ प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। जिससे खाद निर्माता कंपनियों ने भी खाद की कीमतों में काफी बढ़ोतरी कर दी है। एक ओर तो केंद्र सरकार किसानों की फसल का उत्पादन दोगुना करने की बात करती है। लेकिन किसानों का उत्पादन डबल तो नहीं हुआ पर खाद की कीमतें बढ़ने से उनकी उत्पादन लागत जरुर डबल हो गई है। वर्षभर लॉकडाउन के चलते सब्जी, फल आदि कृषि उपज के भाव काफी कम हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर खाद की कीमतें बेतहाशा बढ़ गई है। जिससे किसान जीवित केसे रहे? इस पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। एक ओर तो सरकार बोल रही है कि हमने खाद के दाम नहीं बढ़ाए, कंपनियों ने बढ़ाए हैं। किंतु नुकसान तो किसान को ही होगा। अत: सरकार खाद की बढ़ी हुई कीमतों को जल्द से जल्द वापस लें। साथ ही पेट्रोल डीजल की हो रही दर बढ़ोतरी को कम करें। अन्यथा विदर्भ राज्य आंदोलन समिति द्वारा इसके खिलाफ आंदोलन किया। इस प्रकार के निवेदन का पत्र प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपकर मांग की गई। निवेदन देने वालों में विदर्भ राज्य आंदोलन समिति के जिला अध्यक्ष सुनील तिवारी, दीपा काशीवार, प्राची, अर्चना ठाकरे आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का समावेश है।

विधायक अग्रवाल के प्रयत्न से चुटिया की नेटवर्क की समस्या हुई दूर

शुरु हुआ टावर का निर्माण कार्य

गोंदिया – पूरे देश में एक तरफ कोरोना महामारी का प्रकोप चल रहा है। ऐसी विकट परिस्थितियों में चुटिया ग्राम के वासियों को नेटवर्क की समस्या से जुझ रहे थे। कोरोना के इस संकटकाल में समय पर कॉल नहीं लगते थे, जिससे बीमार मरीज के घर पर डॉक्टर नहीं पहुंच पाते थे। चुटिया ग्राम डिजिटल युग में काफी पिछड़ा हुआ था। एक तरफ पुरा देश डिजिटल भारत के सपने को साकारने में लगा है और दूसरी ओर लोग बेमौत अपनी जान गवां रहे हैं। कोरोना की वजह से ऑनलाइन शिक्षा चल रही है। मगर नेटवर्क की समस्या से गांव के बच्चे इससे वंचित रहते हैं। बैंक से पैसे निकालने के लिए लोग ग्राहक सेवाकेंद्र में जाते थे, उन्हे नेटवर्क नहीं होने से पैसे नहीं मिल पाते थे। ऐसी अनेक समस्याएं चुटियावासियों को झेलनी पड़ रही थी।

समस्या को लेकर ग्राम चुटिया के सरपंच, उपसरपंच अजीत टेंभरे, ग्राम

पंचायत सदस्य कपिल राणे इन्होंने नेटवर्क की समस्या को लेकर विधायक विनोद अग्रवाल को आग्रह किया। अग्रवाल ने फौरन संज्ञान लेते हुए समस्या के निराकरण के लिए नेटवर्क कंपनी को पत्र लिखा और जिले के मैनेजर से चर्चा कर समस्या से अवगत कराया। जिससे कुछ ही महिनों में विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से चुटिया में नेटवर्क टावर का काम शुरु हो चुका है। टावर लगते ही ग्रामवासियों की नेटवर्क की समस्या हल हो जाएगी। चुटियावासियों और ग्राम पंचायत के पदाधिकारी ने विधायक विनोद अग्रवाल का आभार व्यक्त किया है।

घर में रहकर ही मनायें बुद्ध जयंती

संवाददाता खातिया - भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा गोंदिया की ओर से सभी सर्कलो एंव ग्राम शाखाओं से आहवान किया गया है कि बुद्ध जयंती घर पर ही रह कर मनाएं। कोरोना संक्रमण के चलते शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए, किसी भी बुद्धविहार में भीड़ न करते हुए, सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का उपयोग करते हुए बुद्ध जयंती कार्यक्रम को सादगी से मनाया जाए। ऐसी अपील तहसील भारतीय बौद्ध महासभा अध्यक्ष एन.एल. मेश्राम, महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, कोषाध्यक्ष प्रफुल लांजेवर, उपाध्यक्ष मनोहर भावे, नरेन्द्र बोरकर, बाबूलाल गड़पायले, महिला उपाध्यक्ष कंचना मेश्राम, लेखाजोखा अध्यक्ष लिखनदास नदांगवली, संस्कार सचिव सुनील गजभिए, राजकुमार गजभिए आदि पदाधिकारियों ने की है। साथ कोरोना संक्रमण के चलते शासन के निर्देशों का पालन करें, ऐसा आव्हान किया गया है।

कुन्हाडी में शिव भोजन केंद्र का पुर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते शुभारंभ

गोंदिया - महाविकास आघाडी सरकार के द्वारा गरीब व जरुरतमंद लोगों को कम दर पर भोजन उपलब्ध कराने हेतु २२ मई को गोरेगांव तहसील के ग्राम कुन्हाडी में शिव भोजन केंद्र का उद्घाटन पुर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते, पुर्व सांसद खुशाल बोपचे के उपस्थिती में संपन्न हुआ। इस शिव भोजन केंद्र के तहत हर दिन अधिकतम १०० थाली भोजन जरुरतमंद लोगों को प्राप्त होगा। परिसर के जरुरतमंद लोग केंद्र का लाभ लें, ऐसा आवाहन जैन ने किया। इस अवसर पर रविकांत बोपचे, सौ. गुड्डी तुरकर, महेंद्र चौधरी, खुशाल वैद्य, प्रतीक पारधी व समस्त पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । – सम्पादक

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते विभिन्न स्थानों पर शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ

सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से किसानों को मिली राहत

कालीमाटी

गोंदिया जिले में रबी धान फसल की खरीदी के लिए गत दो दिनों में अनेक आधारभूत धान खरीदी केंद्र शुरु हुए हैं। प्रफुल पटेल के प्रयासों से किसानों को काफी राहत मिली है। इसी के तहत आमगांव तहसील के चैतन्य कृषि साधन व कृषि बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित टेकरी (कालीमाटी) संस्था के अंतर्गत कटरे राईस मिल कालीमाटी में शासकीय धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व मार्केटिंग फेडरेशन के व्यवस्थापक अतुल नेरकर के हस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुर्व विधायक राजेंद्र जैन ने किसानों से आहवान किया कि सभी किसान अपने धान की बिक्री शासकीय आधारभूत केंद्रों पर ही करें। इसके पूर्व २० मई को गोंदिया जिले के देवरी व गोरेगांव तहसील के अंतर्गत ४ शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र शुरु किए गए हैं। जिससे जिले के किसानों को काफी राहत मिली है। आमगांव में केंद्र शुरु होने के अवसर पर विजय शिवनकर, नरेश माहेश्वरी, कमलबाबू बहेकार, सुखराम फुंडे, सुरेश हर्ष, बिसेन साहब, एडीएमओ गोनाडे, एडीएमओ बाबूलाल बोपचे, टीकाराम मेंढे, प्रदीप रावत, रमेश भूते, धनराज गिरिपुंजे, बापू भंडारकर, शेषराम मेहर, संजय हरिनखेडे, पवन चुटे, गोरेलाल पटले, मोतीराम कटरे, डोलेश्वर सोनवाने, तुलसीराम बिसेन सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। इस अवसर पर सांसद प्रफुल पटेल व पूर्व विधायक राजेंद्र जैन का आभार माना।

कावराबांध

गोंदिया - सालेकसा तहसील के कावराबांध में वीरांगणा रानी अवंतीबाई शेतकरी बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्या. निंबा अंतर्गत मच्छिरके राईस मिल कावराबांध के प्रांगण मे शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र का पुर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते मार्केटिंग फेडरेशन व्यवस्थापक अतुल नेरकर की प्रमुख उपस्थिती में उद्घाटन किया गया। इससे रबी हंगाम के किसानो को कम भाव मे व्यापारीयों को बेचने के लिय मजबुर नही होना पडेगा। धान खरेदी केंद्र के उद्घाटन अवसर पर जैन ने सभी किसानो से अपने धान शासकीय केंद्र पर ही बेचने का आव्हान किया। आधारभूत धान खरीदी केंद्र उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, राष्ट्रवादी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय शिवनकर, नरेश माहेश्वरी, लक्ष्मण नागपुरे, कमलबापु बहेकार, बिसने साहेब, गोंडाणे साहेब, लक्ष्मण नागपुरे, देवेंद्रसिंग मच्छिरके, बेनीप्रसाद दसरिया, सुरेश मच्छिरके, प्रल्हाद बनोठे, दालचंद मोहारे, टोलसिंग मच्छिरके, पोसन बनोठे, रामेश्वर बनोठे, भागवत बनोठे, भाऊराव मेश्राम, रमेशकुमार लिल्हारे, भुषणदास दसरिया, महेंद्र मच्छिरके व संचालक मंडल सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

रावणवाड़ी

१२ संवाददाता खातिया - गोंदिया जिले में रबी फसल के धान खरीदी के लिए शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र शुरु करने का कार्य प्रफुल पटेल की पहल पर २ दिनों से शुरु हो चुका है तथा निरंतर केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसी के अंतर्गत रविवार २३ मई को गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले रावणवाड़ी में साईनाथ शेतकरी बहुउद्देशीय सहकारी संस्था चिरामनटोला केंद्र का उद्घाटन पूर्व विधायक राजेंद्र जैन के हस्ते किया गया। जिससे परिसर के किसानों को राहत मिली है। उपरोक्त शासकीय आधारभूत केंद्र के शुरु होने से रावणवाड़ी, मुरपार व चारगांव क्षेत्र के किसानों द्वारा धान की बिक्री की जा सकेगी। जिससे अब उन्हें कम कीमत पर व्यापारियों को धान नहीं बेचना पड़ेगा। अब शासन द्वारा तय की गई कीमतों में ही केंद्र पर धान बिक्री की जा सकेंगी। सांसद पटेल द्वारा रबी मौसम की धान के खरीदी केंद्र शुरु करवाकर किसानों की परेशानियों को दूर किया तथा जिसके लिए शासन स्तर पर निरंतर प्रयास किया। जिससे जिला मार्केटिंग फेडरेशन के धान खरीदी केंद्र शुरु हुये हैं। केंद्रों के शुरु हो जाने से किसानों द्वारा प्रफुल पटेल का आभार व्यक्त किया गया। जिले के सभी क्षेत्रों में शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र शुरु हो, इसके लिए पूर्व विधायक राजेंद्र जैन द्वारा भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर पूर्व जिप सदस्य कुंदन कटारे, सरपंच रावणवाड़ी शीलाताई वासनिक, पन्नालाल हरिणखेडे, यशवंत गेड़ाम, सरपंच मुरपार गणेश बरडे, विजय राहंगडाले, पृथ्वीराज राहंगडाले, लखन हरिणखेडे, दिनेश हरिणखेडे, ओमकार नागपुरे, राजकुमार रणगिरे, रंजीत वासनिक, प्रदीप बावनकर, धर्मेन्द्र लिल्हारे, महेंद्र कटारे, पारस बसेने, रुपलाल चिखलोंडे, दमाहे गुरुजी, गंगाराम कापसे आदि उपस्थित थे।

चोरी के आरोपी की पुलिस हिरासत में मौत आमगांव पुलिस थाने में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संवाददाता आमगांव – गोंदिया जिले के आमगांव पुलिस थाना में चोरी के आरोप में पुलिस हिरासत में आमगांव कुम्हारटोली निवासी आरोपी राजकुमार अभय कुमार (३०) की २२ मई की सुबह ५ बजे के दौरान मौत हो गई। जिसके पश्चात आमगांव पुलिस थाने परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

गौरतलब है कि आमगांव पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत रिसामा कुम्हारटोली स्थित जिला परिषद स्कूल में चोरी के दो मामले घटित हुए थे। जिसमें शामिल चार आरोपियों को लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा पकड़ने में सफलता प्राप्त कर २० मई को आमगांव पुलिस के सुपुर्द किया था। जिसमें से एक आरोपी नाबालिक होने से तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत न्यायालय से प्राप्त हुई थी। जिनमें से एक आरोपी राजकुमार की २२ मई की सुबह पुलिस हिरासत में अचानक तबीयत खराब हो जाने से उपचार के लिए ग्रामीण चिकित्सालय ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। इस संदर्भ में आमगांव पुलिस थाने के निरीक्षक सुभाष चौहान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी को सुबह ५ बजे के दौरान पसीना आने तथा फिट जैसे लक्षण दिखाई देने पर सुरक्षा में तैनात गार्ड द्वारा इसकी जानकारी ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी को दी। जिसके पश्चात उसे उपचार के लिए ग्रामीण चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

इस घटना की जानकारी परिजनों को मिलते ही उन्होंने पुलिस विभाग पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत होने पर मामला गंभीर स्थिति में पहुंच चुका था। जिसके चलते ग्रामीण पुलिस थाने परिसर व ग्रामीण चिकित्सालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए आमगांव में जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक बनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर उपस्थित थे।

पुलिस हिरासत में आरोपी की मौत मामले में पुलिस निरीक्षक सहित ४ पुलिसकर्मी निलंबित

संवाददाता आमगांव – पुलिस थाने में चोरी के आरोप में पुलिस हिरासत के आरोपी के मौत के प्रकरण में जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल निर्णय लेते हुए आमगांव थाने के पुलिस निरीक्षक सुभाष चौहान, सहायक पुलिस निरीक्षक महावीर जाधव, चालक पुलिस हवलदार हेमराज खोबरागडे व पुलिस सिपाही अरुण ऊईके को निलंबित कर दिया।

गौरतलब है कि आमगांव पुलिस थाने में चोरी के प्रकरण में शामिल आरोपी कुम्हारटोली निवासी राजकुमार अभयकुमार (३०), सुरेश धनराज रावत (२१) व राजकुमार गोपीचंद मरकाम (३०) को गिरफ्तार कर २१ मई को आमगांव के प्रथम श्रेणी न्याय दंडाधिकारी न्यायालय में पेश किया गया था। जिन्हें न्यायालय द्वारा २३ मई तक पुलिस हिरासत में दिया गया था। जिसमें से एक आरोपी राजकुमार की २२ मई की सुबह ५ बजे के दौरान तबीयत खराब हो जाने से ग्रामीण चिकित्सालय आमगांव में उपचार के लिए दाखिल कराया गया, जहां आरोपी की मौत हो गई। इस मामले में सहायक पुलिस निरीक्षक महावीर यादव की सूचना के आधार पर आमगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में उपविभागीय अधिकारी गोंदिया द्वारा दिए गए अंतरिम अहवाल व नापोका नरेंद्र तरारे, पोका सुभाष सहारे का बयान दर्ज किया गया। जिसमें हिरासत में आरोपी प्रकरण में उचित सुरक्षा व्यवस्था न करने, आरोपियों का ध्यान न रखने, समय-समय पर जांच न करने, आरोपी की सुरक्षा उचित तरीके से न करने से लापरवाही बढ़ती गई, जिससे पुलिस हिरासत में मौत जैसा गंभीर प्रकरण घटित हुआ। जिससे पुलिस विभाग पर बदनामी का दाग लगा है। सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो गया। जिसके चलते इस प्रकरण में आमगांव के पुलिस निरीक्षक सुभाष चौहान, सहायक पुलिस निरीक्षक महावीर जाधव, चालक पोहवा खेमराज खोबरागडे, पुलिस सिपाही अरुण ऊईके को जिम्मेदार मानते हुए महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम १९५१ कलम २५ व महाराष्ट्र पुलिस शिक्षा अधिनियम १९५६ नियम ३(१-अ), (एफ), (ब) के तहत २२ मई की दोपहर निलंबित किया गया। साथ ही जिला पुलिस मुख्यालय में अटैच कर बिना मंजूरी के जिला नहीं छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। इस प्रकार का आदेश जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा जारी किया गया है।

मृतात्माओं की शांती व कोरोना का नाश करने मोक्षधाम में मंत्रजाप व हवन

गोंदिया – विश्व हिंदू परिषद, बजरंगदल व सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति गोंदिया द्वारा २० मई २०२१ को मोक्षधाम के महाकाल मंदिर परिसर में कोरोना महामारी के चलते मृत्यु को प्राप्त लोगों के आत्मा की शांती व कोरोना महामारी का समुचे विश्व से नाश के लिए हवन, पूजन व मंत्रजाप किया गया। साथ ही महामारी के कारण संपूर्ण विश्व में जिन्होनें मोक्ष प्राप्त किया, उन लोगों को सामुहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर हवनाग्नि के साथ सम्पूर्ण गोंदिया नगर का भ्रमण किया गया।

इस कार्यक्रम को बजरंगदल मुम्बई, क्षेत्र संयोजक देवेश मिश्रा, मनोज पारेख, जिला उपाध्यक्ष विहिप, पुष्पक जसानी, पूर्व नगराध्यक्ष कशिश जायसवाल, पार्षद पंकज यादव, सचिन चौरसिया, लोकेश (कल्लु) यादव उपस्थित थे। मोक्षधाम सेवा समिति प्रमुख सुनिल आर.तिवारी, हरिश अग्रवाल, भूषण गिर्हे, दिलीप कुंगवानी, अनिल मेश्राम, नितिन जिंदल, कृष्णा मिसार, बालू मेश्राम, छोटू डोहरे, समरित नशिने, गणेश जांगजोड, किशोर सोनवाने, तोलाराम मानकानी, बंटी मिश्रा, अमित जैन, त्रयंबक जरोदे, योगेंद्र सोलंकी, रत्नेश चौधरी, अविनाश मेंढे, संदीप बागडे, अर्जुन रोहनकर, अजय रोहनकर, विजय रोहनकर, रामू बेहरे, विक्रम बेहरे, गणेश बेहरे, सूरज बेहरे, चेतन बेहरे, लक्ष्मण बेहरे, सोनू बेहरे, मानिक बहरे, राहुल बेहरे, संजू बेहरे, मनोहर बेहरे, राजू बेहरे, मानसिंग पत्रे, नांगो पत्रे, ज्ञानु पत्रे, रोहित पत्रे, केलाश पत्रे, राहुल नेताम, राकेश नेताम, धनराज नेताम, विशाल नेताम, सुभाष नेताम, कुमार नेताम, कुंदन नेताम, धनुष भिमारे, कार्तिक भिमारे, राज भिमारे, राहुल बेहरे, सूरज पत्रे, अनिल नेताम, कृष्णा बेहरे, भोला घोटीयार, विशाल घोटियार, मनोज बेहरे, अंकित कुलकर्णी ने सहयोग दिया।

पत्रकार पर हमला मामले में २५ सब्जी विक्रेताओं पर मामला दर्ज

गोंदिया – कोरोना संक्रमण काल में नियमों का उल्लंघन कर भीड़ जमा कर सब्जी बिक्री की खबर २० मई को प्रकाशित करने को लेकर सब्जी विक्रेताओं द्वारा सौंदड निवासी पत्रकार प्रेम (बबलु) बाबूराव मारवाड़े के निवास पर भारी संख्या में जमा होकर सार्वजनिक स्थान पर लकड़ी व डंडों के साथ अश्लील गालीगलौज कर फरियादी व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी थी। इस मामले में फरियादी पत्रकार द्वारा डुग्गीपार पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। जिस पर डुग्गीपार पुलिस द्वारा आरोपी क्रमांक १ से २५ तक वर्तमान समय में कोरोना काल में शुरु प्रतिबंधक उपाय योजना व शासन द्वारा जारी किए गए नियमों का उल्लंघन करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न कर संक्रमण फैलाने के आरोप में भादवी की धारा १४३, १४४, १४९, १८८, २६९, २७०, ५०६, एवं सहायक धारा ५१ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून २००५ के तहत दर्ज किया गसा। उपरोक्त मामले की जांच पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े के मार्गदर्शन में पुलिस हवलदार रविशंकर चौधरी द्वारा की जा रही है। विशेष यह है कि इस मामले में मुख्य आरोपी केलाश कटगे है। जो ग्राम के सरपंच का कार्य करता है, ने सब्जी विक्रेताओं को भड़का कर उनका नेतृत्व किया था जो इस दौरान लिए गए वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है।

सोशल मीडिया पर मामला दर्ज

इसी प्रकरण के अंतर्गत पत्रकार के चरित्र हनन कर सोशल मीडिया पर बदनामी करने के उद्देश्य से विडियो बनाकर उसे वायरल किया गया था। बोगस पत्रकार द्वारा खबर छापी गई है, ऐसा जाहिर करते हुए सब्जी विक्रेताओं द्वारा हमला किया गया। इस मामले में १० लोगों पर भादवि की धारा ५००, ५०१ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा युवा मोर्चा द्वारा तहसील स्तरीय टीकाकरण जनजागृती अभियान

गोंदिया – कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर का ग्रामीण इलाकों में ज्यादा असर देखा जा रहा है। दिनोंदिन संक्रमित लोगों का आंकड़ा और कोरोना से मृत्यु दर बढ़ता ही जा रहा है। प्रसाशन का ज्यादा ध्यान शहरी इलाकों में होने से ग्रामीण भाग वैद्यकीय सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं। ग्रामीण संभाग में उच्च दर्जे की स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में राज्य सरकार की विफलता स्पष्ट नजर आ रही है। केंद्र द्वारा जारी दिशानिर्देश अनुसार ग्रामीण इलाकों में संक्रमण एवं मृत्युदर रोकने हेतु विशेष नियोजन की आवश्यकता है।

कोरोना से बचाव का एकमात्र उपाय आवश्यक सतर्कता और टीकाकरण ही है। किंतु लोगो में टीका संबंधी विभिन्न प्रकार की भ्रांतिया होने से ग्रामीण अंचल में लोग वैक्सीन लगवाने से बचते नजर आते हैं। इस हेतु भारतीय जनता युवा मोर्चा संपूर्ण गोंदिया तहसील में कार्यरत अपनी ग्रामीण इकाई के माध्यम से प्रत्येक गांव में स्वयंसेवकों की समिति गठित कर घर-घर जाकर टीकाकरण संबंधित जनजागृती कर लोगों को टीका लगवाने के लिये प्रेरित करेगी।

जानकारी देते हुए तहसील अध्यक्ष तिजेश गौतम ने बताया कि, भाजयुमो के राष्ट्रीय उपक्रम BJYM Cares के अंतर्गत इस मानव सेवा के कार्य को मूर्त रुप दिया जाएगा। इस उपक्रम में युवा मोर्चा द्वारा अशिक्षित व निम्नशिक्षित वर्ग और स्वास्थ्य सेवा से वंचित अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसे जागृत कर लाभान्वित करेगा।

साथ ही मनुष्यबल की कमी से जूझ रहे स्वास्थ्य विभाग को युवा मोर्चा कार्यकर्ता टीकाकरण अभियान में यथासंभव मदद करने हेतु प्रयासरत रहेगा।

टीकाकरण के लिए सर्वे में जानकारी देकर लगवाए वैक्सीन -जितेंद्र पंचबुद्धे

गोंदिया – कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए शासन द्वारा टीकाकरण करवाया जा रहा है। जिसमें गोंदिया शहर के अंतर्गत ४५ वर्ष से अधिक के कितने नागरिकों द्वारा टीकाकरण करवाया गया है तथा अब तक कितनों ने नहीं करवाया है, इसका सर्वे नगर परिषद द्वारा किया जा रहा है। जिसमें नागरिक अपनी सभी प्रकार की जानकारी देकर सहयोग करने के साथ ही जिन्होंने अब तक टीकाकरण नहीं करवाया वे समीप के सेंटर में जाकर वैक्सीन लेने का आवाहन नगर रचना सभापति जितेंद्र (बंटी) पंचबुद्धे द्वारा किया गया है।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर के सभी २१ प्रभागों में नगर परिषद द्वारा २० मई से कोरोना वैक्सीन टीकाकरण के लिए सर्वे करवाया जा रहा है। जिसमें नागरिकों से जानकारी प्राप्त कर ४५ वर्ष से अधिक के नागरिक जिन्होंने अब तक वैक्सीन नहीं ली, उन्हें जल्द से जल्द वैक्सीन लेने की जनजागृति की जा रही है। इस महामारी से बचाव के लिए टीकाकरण जरुरी है। सरकार द्वारा इसके लिए निरंतर टीकाकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। गोंदिया शहर में ४५ वर्ष से अधिक के नागरिकों के लिए अतिरिक्त सेंटर शुरु कर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें इस आयु वर्ग के नागरिकों का टीकाकरण जल्द से जल्द पूर्ण होने के पश्चात १८ से ४४ आयु वर्ग का टीकाकरण शुरु किया जाएगा। जिसके लिए सभापति व पार्षद पंचबुद्धे ने नागरिकों से आवाहन किया है कि वह सर्वे में अपनी जानकारी देकर जल्द से जल्द वैक्सीन लेकर इस महामारी के फालाव को रोकने में सहयोग करें।

सर्वे दल द्वारा जानकारी लेने के साथ ही जिन नागरिकों ने अब तक वैक्सीन नहीं ली है, उन्हें समीप के सेंटरों की जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही यदि कोई अन्य बीमारी से ग्रस्त है तो अपने परिवारिक चिकित्सक से सलाह लेकर जल्द से जल्द टीकाकरण करवाएं। जिससे इस आयु वर्ग के टीकाकरण का कार्य पूर्ण होते ही १८ से ४४ वर्ग के नागरिकों के लिए टीकाकरण का कार्य शासन द्वारा जल्द से जल्द शुरु किया जा सके।

लॉकडाउन में ढील देकर व्यापारी और दैनिक मजदूरी कर पेट पालनेवाले मजदूरों को दे राहत - विधायक विनोद अग्रवाल

सभी प्रकार की दुकानें करें शुरु, पालकमंत्री नवाब मलिक से मिलकर की चर्चा

गोंदिया – कोरोना संक्रमण की वजह से राज्य में फिर से कड़क लॉकडाउन लगाया गया है। जिसमें गोंदिया जिले का भी समावेश है। बढ़ती मरीजों की संख्या के वजह से लॉकडाउन करना आवश्यक था। शुरुवात में अतिआवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाओं को बंद करने के निर्देश दिए गए थे । लॉकडाउन लगने से गोंदिया शहर के हजारों नागरिक जो रोज मजदूरी कर अपना जीवनयापन करते थे, ऐसे नागरिकों को लॉकडाउन वी वजह से घर पर रहना पड़ा। इसके पश्चात भी मरीजों की संख्या में कमी नहीं होने से लॉकडाउन की अवधी बढ़ाई गई। जिसमें सुबह ७ से ११ तक ही अतिआवश्यक सेवाओं की दुकानें शुरु रखने के निर्देश दिए गए। जिससे कोरोना मरीजों की संख्या में कमी देखने को मिली।

विगत दो महिने से सभी प्रकार की दुकानें बंद होने से दुकानों में काम करनेवाले लोग भी घर पर बैठे हैं। जिससे इलेक्ट्रिक बिल, परिवार का भरणपोषण करने की समस्याएं सामने आ रही है। दूसरी तरफ बैंक और अन्य फायनेंस कंपनी की किस्त भरने के लिए लोगों के पास पैसे नहीं है। ऐसी अनेक समस्याएं नागरिकों द्वारा सुनने मिल रही है। यदी लॉकडाउन में ढील नहीं दी गई तो नागरिकों के जीवन और मृत्यु का प्रश्न निर्माण हो सकता है। मरीजों की संख्या कम होने से लॉकडाउन में कुछ प्रमाण में ढील देकर सभी प्रकार की दुकान कुछ समय के लिए शुरु करें और बाद में समय को देखते हुए लॉकडाउन को खतम किया जाए। ऐसी मांग गोंदिया जिले के पालकमंत्री नवाब मलिक से विधायक विनोद अग्रवाल ने की है। जिस पर सकारात्मक प्रतिसाद देकर पालकमंत्री ने जल्द ही ढील देने का आश्वासन दिया है।

इस समय ढील के साथ ही टेस्टिंग बढ़ाने की भी जरुरत है। ऐसा भी विधायक विनोद अग्रवाल ने पालकमंत्री से चर्चा करते हुए बताया। ढील देने के साथ ही टेस्टिंग में वृद्धि की जाएगी, ऐसा पालकमंत्री ने स्पष्ट किया और समय पर कोरोना के मरीजों की जांच की जानकारी मिलेगी तो मरीजों की संख्या भी कम होगी ऐसा भी चर्चा में पालकमंत्री नवाब मलिक ने कहा।

३० मई तक आवास योजना की किस्तें दी जाए अन्यथा दोषियों पर होगी कार्यवाही - विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया के विधायक विनोद अग्रवाल ने आवास योजना के संबंध में पंचायत समिति गोंदिया में गटविकास अधिकारी, पंचायत समिति आवास योजना विभाग के अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक ली। जिसमें तहसील में चल रहे आवास योजना के कामों की समीक्षा करते हुए लाभार्थियों को होने वाली तकलीफ के बारे में अधिकारियों को अवगत कराया। जिसमें मुख्य रुप से लाभार्थियों को उनके आवास योजना की किस्त न मिलने की शिकायत प्राथमिकता से ली गई।

कुछ लाभार्थियों के घर, पैसों के अभाव से पूर्ण नहीं हो पाए। कुछ लाभार्थियों के काम आधे-अधूरे होकर रुके हुए हैं। रोजगार सेवक के द्वारा काम की मांग किए जाने पर भी किसी भी तरह की कार्यवाही न होने से लाभार्थियों के काम आधे-अधूरे होकर रुके हुए हैं। महीने की आखिरी तारीख ३० मई तक तहसील के सभी लाभार्थियों को उनकी आवास योजना की किस्त देने की सूचना विधायक विनोद अग्रवाल ने दी। १५ जून तक तहसील के सभी आवास योजना के काम पूर्ण करने हेतु लाभार्थियों को सहयोग करने के लिए भी अभियंताओं को सूचना दी गई। ऐसा न होने पर जिम्मेदार अधिकारी एवं अभियंता पर कड़ी कार्रवाई के भी आदेश विधायक विनोद अग्रवाल ने दिए।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।